Raga of the Month November 2023   Raga KedarBahar,GoudBahar

राग केदारबहार और गौड़बहार

हिन्दुस्तानी संगीतमे बहार एक ऐसा राग है जो अनेक रागोंमें मिलकर उनकी शोभा बढ़ाता है। बसंतबहार, हिंडोलबहार , मालकौंसबहार , भैरवबहार , अडाणाबहार, बागेश्रीबहार, जौनपुरीबहार आदी रागोंमे पारंपारिक बंदिशे मिलती हैं। केदारबहार और गौड़बहार इन रागोंका सृजन आचार्य श्रीकृष्ण नारायण रातंजनकरजीने किया है। आज हम केदारबहार और गौड़बहार इन रागोंका परिचय कर लेंगे। "अभिनव गीत मंजरी" के दूसरे भागमे इन रागोंमे आचार्य श्रीकृष्ण नारायण रातंजनकरजीने रची हुई बंदिशें हम देख सकते हैं। रागोंके नामसेही हम इन रागोंमे कौनसे रागोंका मिश्रण है यह हम जान सकते हैं। इन दो रागोंका संक्षिप्त वर्णन अब हम देख सकते हैं।

राग केदारबहार - केदार और बहार दोनों रातमें गाये जानेवाले राग होनेके कारण उनका मिश्रण बहुतही सुन्दर प्रतीत होता है। बहारका मिश्रण होनेके कारण केदारबहारमें कोमल गांधार और कोमल निषादका प्रयोग बीच बीचमे किया जाता है। इस रागमे वादी मध्यम और संवादी षड्ज है। इस रागका स्वर विस्तार जो किताबमें दिया है वह नीचे दिया है।

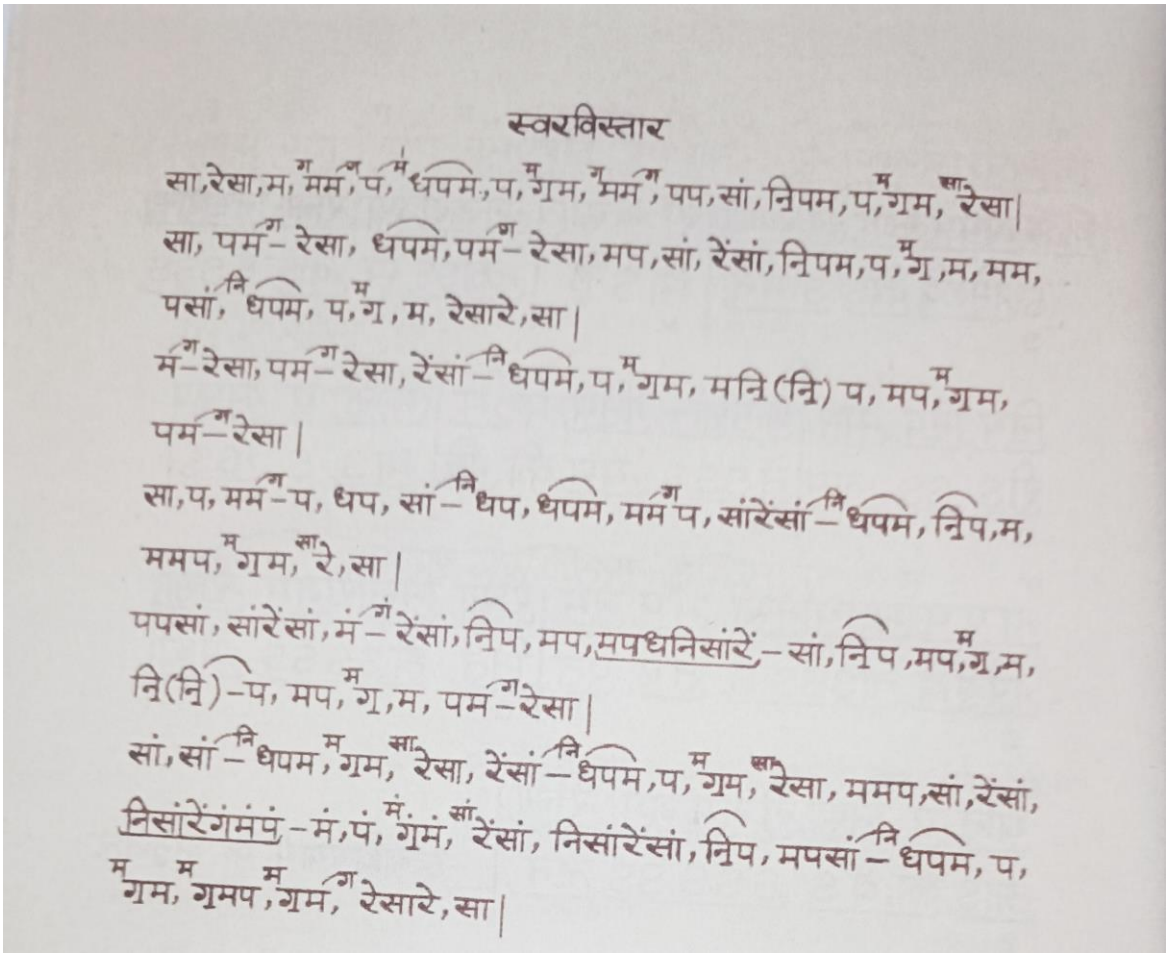

स्वरविस्तार

सा,रेसा,म,मर्म,प,धपमे,प,गम,मर्म,पप,सां,निपम,प,गम,रेसा।
सा, पर्म-रेसा, धपमे,पर्म-रेसा,मप,सां,रेंसां,निपम,प,ग,म,मम,
पसां, धपमे, प,ग,म, रेसारे,सा।
र्म-रेसा,पर्म-रेसा,रेंसां-धपमे,प,गम, मनि(नि) प, मप,गम,
पर्म-रेसा।
सा,प,मर्म-प, धप, सां-धप,धपमे, मर्म प,सांरेंसां-धपमे,निप,म,
ममप,गम,रे,सा।
पपसां,सांरेंसां,मं-रेंसां,निप,मप,<u>मपधनिसांरें</u>-सां,निप,मप,ग,म,
नि(नि)-प,मप,ग,म,पर्म-रेसा।
सां,सां-धपम,गम,रेसा,रेंसां-धपमे,प,गम,रेसा,ममप,सां,रेंसां,
<u>निसांरेंगंमंपं</u>-मं,पं,गंमं,रेंसां,निसांरेंसां,निप,मपसां-धपम,प,
गम,गमप,गर्म,रेसारे,सा।

राग गौड़बहार - इस रागमें हम गौड़मल्हार और बहारका मनोहारी मिश्रण पाते हैं। रागके विशेष स्वर वाक्य इस प्रकार है।

ध़ <u>निं</u> प़ ऩि सा , रे ग म रे सा, म रे प, प ध नि सां रें, सां ध <u>नि</u> प, प ध नि सां, <u>नि</u> प, म प <u>ग</u> म रे सा।

आजके ऑडियोमें हम आचार्य श्रीकृष्ण नारायण रातंजनकरजी रचित निम्न रचनाएँ सुनेंगे, जो उनके शिष्य पंडित के जी गिंडेजीने गायी हुई है।

केदारबहार - विलंबित - जानी जानी पीतकी रीत तिहारी ; मध्यलय- मदमाते आये अत अलसाये;

गौड़बहार - विलंबित- झूमरा बैरन रैन अँधियारी **;**

संदर्भ : "अभिनव गीत मंजरी" भाग २.
आभार : पंडित यशवंतबुवा महाले, श्री अजय गिंडे.

१- ११ -२०२३

Link to the list of 150+ Raga of the month articles -

@ Archive of ROTM Articles - http://oceanofragas.com/Raga_Of_Month_Alphabetically.aspx